भजन

तर्ज –ना तो कारवां की तलाश है

मेरा सतगुरू प्राण प्यारा है, मेरा आसरा है सहारा है

1–दे के रोशनी निजनाम की,मुझे भव सागर से तारा है
गई भूल थी निजनाम को,अखंड श्री परमधाम को
मुझे पा सिन्धु जगा रहे,मेरी जिदंगी को सवांरा है

2–पा की बातें वो करे,जिस पर है पा आपकी
हर दम वह दिखाई दे रहे,हमें चरणो का ही सहारा है

3–हमे ज्ञान ऐसा सुना रहे,निजघर का रस्ता दिखा रहे
मुझे मोह माया से छुड़ा रहे, मुझे प्यार से ही पुकारा है

4–ये जो तारतम का ज्ञान है,मेरा जीवन है मेरा प्राण है
मेरे हादी का फुरमान है,जिसने सचराचर को तारा है

5–ये चरण कमल सुखदाई है,इनमे सब शांति समाई है
ऐसी ज्योति रत्न जगाई है,किया सब जग में उजियारा है